सीएसआईआर-सीरी स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

न्यूज सर्विस/नवज्योति, पिलानी

राजस्थान की शिक्षा नगरी पिलानी में स्थित देश की राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) के 65 वें स्थापना दिवस तथा वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की प्लैटिनम जयंती कार्यक्रमों की शृंखला में शुक्रवार को सीएसआईआर-सीरी में भारत सरकार के विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव डॉ गिरीश साहनी का सीएसआईआर-सीरी में आगमन हुआ। इस अवसर पर संस्थान के मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएसआईआर-सीरी के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी ने की। इस अवसर पर संस्थान के सहकर्मियों के अतिरिक्त पूर्व निदेशक प्रो. चंदशेखर, बिरला एजुकेशन ट्रस्ट पिलानी के निदेशक मेजर जनरल एस नायर, विद्याविहार नगर पालिका के अध्यक्ष डॉ आरके पारीक, बिरला शिशु विकास के प्रधानाचार्य पवन बक्षिष्ठ, स्थानीय शिक्षण व अन्य संस्थानों के गणमान्य अतिथियों तथा मीडिया जगत के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त पिलानी के नागरिक भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ गिरीश साहनी ने कहा कि सीएसआईआर-सीरी ने देश के वैज्ञानिक उत्थान में बहुत योगदान दिया है। डॉ साहनी ने बताया कि इंडिया टुडे के सर्वेक्षण सीएसआईआर देश के 70 प्रमुख राष्ट्रीय संगठनों में से एक है जिन्होंने देश की उन्नति व प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्थान के वैज्ञानिकों डॉ अजय अग्रवाल, डॉ एस सी बोस, डॉ बाला पेसला व डॉ आर के शर्मा ने भावी शोध कार्यों के संबंध अपने प्रस्तुतिकरण भी दिए।

डॉ साहनी ने इस अवसर पर सीएसआईआर-सीरी ए रोडमैप का भी विमोचन किया। इस महत्वपूर्ण दस्तावेज में संस्थान के आगामी पांच वर्षों की शोध गतिविधियों व तत्संबंधी कार्य योजना का विवरण दिया गया है।

सीएसआईआर-सीरी के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी ने डॉ गिरीश साहनी को संस्थान की ओर से स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद डॉ गिरीश साहनी, महानिदेशक, सीएसआईआर द्वारा संस्थान के गांधी हॉल में सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित प्रमुख प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इसके बाद महानिदेशक एवं सचिव डीएसआईआर ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की तथा उन्हें सीएसआईआर की अपेक्षाओं से अवगत कराते हुए सभी संबंधित प्रयोगशालाओं द्वारा सहयोग के प्रति आश्वस्त किया। इस अवसर पर दो नई सहयोगात्मक परियोजनाओं (कोलैबोरेटिव प्रोजेक्ट्स) की के लिए सम्झौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया।